Page Three Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

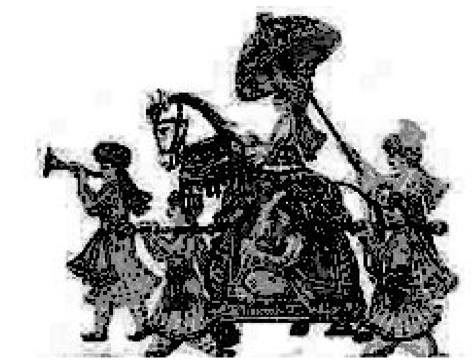

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

उत्तराखंड में कोरोना के बढ़ रहे हैं मामले

कहर

सोमवार को तीन बजे तक आए कोरोना के 57 नए मामले, 11 मरीज हुए स्वस्थ

■ 60 वर्ष से अधिक के लोगों की होगी रैंडम सैंपलिंग

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं। सोमवार दोपहर तीन बजे तक प्रदेश में कोरोना के 57 नए मामले आए, जबकि 11 मरीज स्वस्थ होकर अस्पतालों से डिस्चार्ज भी हो गए हैं। प्रदेश में अब तक कोरोना के 2401 मामले आए हैं। जिनमें 1511 स्वस्थ हो चुके हैं। वर्तमान में प्रदेश में 848 एक्टिव केस हैं। कोरोना संक्रमित 27 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 15 मरीज राज्य से बाहर जा चुके हैं। वहीं, सोमवार को एम्स ऋषिकेश के कार्डियोलॉजी विभाग में तैनात एक स्टाफ नर्स की कोविड रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इस नर्स का बीते शनिवार को सैंपल लिया गया था। बापू ग्राम गली नंबर तीन स्थित जिस भवन में यह नर्स किराएदार है। उस क्षेत्र को कोतवाली

पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सील कर दिया है। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को 57 केस पॉजिटिव आए हैं। इनमें सर्वाधिक 17 मामले हरिद्वार से हैं, जबकि उधमसिंह नगर में 15, अल्मोड़ा में 11, पौड़ी में 10 नैनीताल में दो और दून–टिहरी में एक–एक मामले आए हैं।

जौनसार क्षेत्र में कोरोना का चौथा मामला सामने आने के बाद सीएमओ डॉ. बीसी रमोला व जिला सर्विलांस नोडल अधिकारी डॉ. आरके दीक्षित ने कोविड–19 टीम के साथ लखवाड़ व चकराता क्षेत्र का दौरा कर स्वास्थ्य व्यवस्था जांची। सीएमओ व डिस्ट्रिक्ट सर्विलांस नोडल अधिकारी के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग टीम ने कोरोना संक्रमित पाए गए रिटायर्ड फौजी के घर के आसपास बस्ती क्षेत्र को सैनिटाइज किया। इस दौरान टीम ने बस्ती क्षेत्र के लोगों की स्वास्थ्य जांच की। चकराता पहुंचे सीएमओ ने कुछ दिन पहले दिल्ली से घर लौटे कोरोना संक्रमित खरोड़ा क्षेत्र के युवक के संपर्क में आए चिकित्सा अधीक्षक समेत चार स्टाफ कर्मियों के सैंपल सोमवार को जांच के लिए भेजने के निर्देश दिए।

इसके अलावा अमेरिका से घर लौटे भंगार क्षेत्र के युवक को चकराता में आइसोलेट किया है। युवक की ट्रैवल हिस्ट्री को देखते हुए सीएमओ ने विदेश से लौटे युवक को सोमवार देहरादून रेफर करने को कहा। साथ ही दिल्ली से घर लौटे त्यूना क्षेत्र के एक अन्य युवक के सैंपल भी जांच को लैब भेजे गए। जिला सर्विलांस नोडल अधिकारी डॉ. आरके दीक्षित ने लखवाड़ क्षेत्र में कोई संस्थागत क्वारंटाइन सेंटर नहीं होने पर नाराजगी जताई और इसके लिए सीधे तौर पर स्थानीय प्रशासन को जिम्मेदार।

कोविड–19 को देखते हुए डीएम ने रुद्रप्रयाग के विभिन्न गांवों में 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों, गंभीर बीमारियों से ग्रसित एवं गर्भवती महिलाओं की रैंडम सैंपलिंग पांच दिन के अंदर कराने के निर्देश दिए हैं। ताकि बुजुर्गों का कोरोना संक्रमण से बचाव हो सके।

न्यूज डायरी

नई शिक्षा नीति में डिजिटल पढ़ाई पर रहेगा जोरः उच्च शिक्षामंत्री

संवाददाता हल्द्वानी। उच्च शिक्षा राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि राज्य में हमने 80 प्रतिशत बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई कराई। अब हम आगे एनआइटी के माध्यम से सभी कॉलेजों में ऑनलाइन पढ़ाई को लेकर प्रशिक्षण दिलवाएंगे। इसके लिए प्रत्येक कॉलेज में एक डिजिटल पुस्तकालय बना रही है। इसके साथ ही नई शिक्षा नीति में ऑनलाइन पढ़ाई को भी व्यापक रूप से शामिल किया गया है। एमबीपीजी कॉलेज की ओर से आयोजित दो दिवसीय नेशनल वर्चुअल कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए डॉ. रावत ने कहा कि कांफ्रेंस में निकले निष्कर्ष को उन तक पहुंचा दिया जाए। इसका अध्ययन कर नीति बनाने में मदद मिलेगी। कांफ्रेंस संयोजक डॉ. रश्मि पंत ने व्यक्तित्व के तमाम पहलुओं पर प्रकाश डाला। इस सेमिनार में पांच राज्यों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। आयोजन के मुख्य अतिथि डॉ. कमल पांडे, विशिष्ट अतिथि डॉ. एनएस बनकोटी ने इस तरह की पहल को सराहनीय बताया।

वेबिनार के जरिये बनाया गया योगिनी चित्र

संवाददाता देहरादून। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और स्नेहिल संस्था के संयुक्त तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार श्रृंखला के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगाचार्य, आयुर्वेद विशेषज्ञ, कलाकार, संगीतज्ञ शामिल हुए और इस अवसर पर लाइव योगिनी चित्र बनाया गया। इस अवसर पर दो दिवसीय वैबिनार में प्रथम दिन डा. राजेश तिवारी (नेत्र विशेषज्ञ और योग गुरू) डा विश्वरूप चौधरी (आयुर्वेद विशेषज्ञ) प्रो. आलोक भावसार (चित्रकार) सौभाग्य गंधर्व (बांसुरी वादक) शामिल हुए। इस अवसर पर प्रो. आलोक ने लाइव योगिनी चित्र बनाया। इस अवसर पर सौभाग्य गंधर्व ने नाद, योग ध्वनि प्रस्तुत की। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं कार्यक्रम संयोजिका डॉ ममता सिंह ने विद्यार्थी परिषद के उद्देश्य और कार्यक्रमो का विवरण प्रस्तुत किया।

एयरटेल का अपने ग्राहकों की सुविधाओं के लिए एक आदर्श पहल

संवाददाता देहरादून। भारत की सबसे बड़ी एकीकृत टेल्को कंपनी भारती एयरटेल ("एयरटेल")ने ग्राहकों को सर्वोत्तम सेवाएं प्रदान करने के अपने लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ते हुए अपनी सेवाओं का विस्तार किया है।उपभोक्ता सेवा को मूल में रखते हुए, एयरटेल ने आज कहा कि इसने प्रत्येक ग्राहक के प्रश्न का उत्तर देने और उनकी समस्याओं का हल करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके साथ ही विफलताओं से जल्दी सीखना और किसी भी स्थिति में इसे ना दोहराना भी लक्ष्य में शामिल है।

कोरोना की मार से मरे मजदूर अब ग्रेफ के इस फैसले से टूट जाएंगे

जगत मर्तोलिया मुनस्यारी। सीमा सड़क संगठन ने केविड 19 के समय में मजदूरो को प्रतिमाह 15 दिन मजदूरी नहीं देने के फैसले के खिलाफ सोमवार को तहसीलदार दिनेश जोशी को ज्ञापन सौंपा। इस फैसले से भड़के मजदूरो ने कहा कि ये अन्याय है। प्रशासन ने 25 जून को सयुंक्त बैठक बुलाई है, ताकि समस्या का समाधान हो सके।

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया के नेतृत्व में ग्रेफ के मजदूरो ने क्षेत्रीय सांसद, जिलाधिकारी, चीफ इंजीनियर ग्रेफ टनकपुर को ज्ञापन दिया। ग्रेफ के अधिकारियो ने मंगलवार से 15 दिन के सिफ्ट के क्रम में मजदूरो को आने के लिए कह दिया है। पहले कोरोना की मार से मरे मजदूर अब ग्रेफ के इस फैसले से टूट जाएंगे। इस फैसले से मजदूरो में जबरदस्त आंक्रोश फैल गया है। ग्रेफ से इस क्षेत्र के करीबन चार सौ मजदूरो के परिवारो का भरण पोषण चलता है। कोरोना काल में सभी प्रकार के रोजगार ठप है। इस दौर में आधे

माह का रोजगार देने से मजदूरो के परिवार सड़क में आ जाएंगे। इन परिवारो के दुखद समय में हमराही बनने की जगह ग्रेफ इन्हे गम पर गम दे रही है। जिप सदस्य मर्तोलिया ने बताया कि प्रशासन से हमारी सकारात्मक बात हुई है। मर्तोलिया ने बताया कि क्षेत्रीय सांसद अजय टमटा से भी फोन पर इस मसले में बातचीत किया। प्रशासन,ग्रेफ व मजदूरो की प्रस्तावित बैठक में इसके अलावा अन्य मुद्दो पर भी बातचीत की जाएगी। इस मौके पर रुद्र सिंह मेहरा,जीतू दास्पा आदि लोग मौजूद थे।

तहसीलदार जोशी ने बताया कि प्रशासन ने ग्रेफ के ओसी को पत्र लिख दिया है। जिलाधिकारी को भी यह मामला भेजा गया है।

परिवहन में किराया वृद्धि पर माकपा का प्रदर्शन

संवाददाता देहरादून। माकपा ने परिवहन मे किराया वृद्धि के खिलाफ जिलाधिकारी कार्यालय में प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के माध्यम मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रस्तुत किया और इस वृद्धि को तत्काल प्रभाव से वापस लिये जाने की मांग की है और कहा कि शीघ्र ही कार्यवाही न होने पर आंदोलन तेज किया जायेगा। माकपा ने राज्य सरकार द्वारा किराया बृध्दि के खिलाफ राजधानी देहरादून सहित राज्य विभिन्न जिलों मे प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया तथा तत्काल किराया वृद्धि वापस लेने की माग की।

नियमित स्टाफ को भी कोरोना की ड्यूटी में लगाया जाए

■सुशीला तिवारी के उपनल कर्मचारी प्रबंधन पर भड़के

संवाददाता

हल्द्वानी। लगातार कोरोना से संबंधित ड्यूटी लगाए जाने से पेरशान होकर मेडिकल कॉलेज व सुशीला तिवाली अस्पताल के उपनल कर्मचारी प्रबंधन पर भड़क उठे। सोमवार को कर्मचारियों ने मेडिकल कॉलेज पहुंचकर प्राचार्य प्रो. सीपी भैंसोड़ा का घेराव किया। उनहोंने कहा कि केवल हमें ही डयूटी परक्यों? नियमित स्टाफ को भी कोरोना की ड्यूटी में लगाया जाए। उन्होंने कहा कि मांगों पर यदि गंभीरता से विचार नहीं किया जाएगा तो कार्य बहिष्कार किया जाएगा।

मेडिकल कॉलेज के तहत करीब 719 उपनल कर्मचारी कार्यरत हैं। रविवार को करीब 80 कर्मचारी जब फिजिकल डिस्टेंसिंग को छोड़ प्राचार्य के पास पहुंचे तो हल्ला मच गया। कुछ देर तक प्रबंधन भी हैरत में पड़ गया।

कर्मचारियों ने कहा कि हमारे साथ भेदभाव हो रहा है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जबकि हम नियमित कोरोना से लेकर हर तरह की ड्यूटी क रहे हैं। रेगुलर स्टाफ को कोरोना से संबंधित ड्यूटी के लिए छूट दी जा रही है। इसके बाद जब उपनल कर्मचारी का किसी नियमित कर्मचारी से विवाद होता है तो सजा केवल उपनल कर्मचारी को दी जाती है। इस तरह के एकतरफा निर्णय न लिया जाए। इससे कर्मचारियों में आक्रोश है। यहां तक कि हम लोग कोरोना पॉजिटिव मरीज की मृत्यु होने पर भी डेड बॉडी को घाट तक पहुंचाते हैं। प्राचार्य ने ज्ञापन लिया और कहा कि इस मामले में तीन–चार दिन में आवश्यक निर्णय लिया जाएगा। इसके बाद कर्मचारी मान गए और डॅयूटी में लौट गए।

इस दौरान मोहन रावत, पूरन चंद्र भट्ट, भानु कैड़ा, तेजा बिष्ट, विनोद बिष्ट, चंदू कफलटिया, नरेश भट्ट, विजय रौतेला, नरेश रौतेला, मनीष रौतेला, गिरीश तिवारी, सतीश भट्ट, दीपा उप्रेती, उमा डांगी, पृथ्वी पटवाल, खेम राज साहू, भानु त्रिपाठी, मदन नौलीया,इंदर अधिकारी आदि शामिल रहे।

गफूर बस्तीवासियों का उत्पीडन और मानवाधिकारों के उल्लघंन की शिकायत की

संवाददाता हल्द्वानी। आरटीआई कार्यकर्ता सैफ अली सिद्दीकी ने राज्य मानवाधिकार आयोग को एक पत्र लिखते हुए रेलवे एवं जिला प्रशासन द्वारा गफूर बस्तीवासियों का उत्पीडन और मानवाधिकारों के उल्लघंन की शिकायत की है। उन्होंने पत्र में गफूर बस्ती किदवई नगर का जिक्र करते हुए लिखा है कि इस क्षेत्र में 40 हजार लोग निवास करते है। लेकिन रेलवे विभाग इस पर अपना दावा करता है।

उन्होंने लिखा है कि वर्ष 2007 में रेलवे ने यहां से 1500 से 2000 परिवारों का उजाड़ दिया। इसके बाद वर्ष 2017 में रेलवे ने बस्ती के लोगों को पीपीई एक्ट के अंतर्गत नोटिस जारी किये। इससे बस्ती के लोग परेशान है। उन्होंने इस रेलवे विभाग से इस भूमि का गजट नोटिफिकेशन सूचना अधिकार के तहत मांगा लेकिन आज तक सूचना उन्हें नहीं दी गई। वर्ष 2017 में तत्कालीन जिलाधिकारी दीपक रावत द्वारा भी रेलवे विभाग से भूमि गजट नोटिफिकेशन लाने की मांग की गई थी लेकिन रेलवे विभाग द्वारा उपलब्ध नहीं कराया गया था।